THE INSTITUTE FOR
ADVANCED STUDIES
OF WORLD RELIGIONS

FILM—STRIP NO.

MBB II
~~WS~~—1972— 16 - 9

BUDDHIST SANSKRIT
MANUSCRIPTS

IASWR

MICROFILM PROJECT ~~WS/MBB II~~

MBB - 1702 - 16
1. Film strip number

7
2. Source

DEBUSE-KAVIDHĀNA
3. Title

4. Additional titles, shortened forms of title, etc.

——— A.D.
5. Year in which MS was copied (Local & Christian Era)

6. Name of Scribe

NEPALI PAPER
7. Material (Palm leaf, etc.)

NEWARI
8. Script

18 cm. x 6 cm.
9. Size

5
10. Lines to a page

31
11. Number of leaves in complete work

x
12. Missing leaves

x
13. Author and Date of composition (if given)

x
14. Number of Chapters

Remarks The text of Vajrāchārya initiation.

October 25, 1972
Date photographed

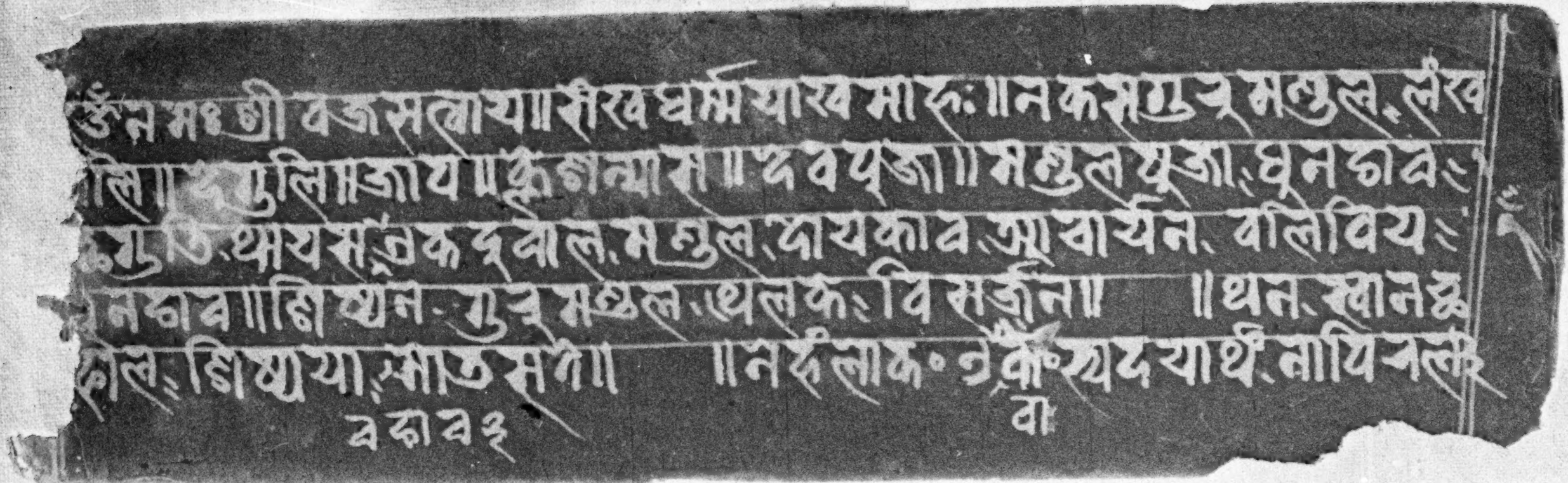

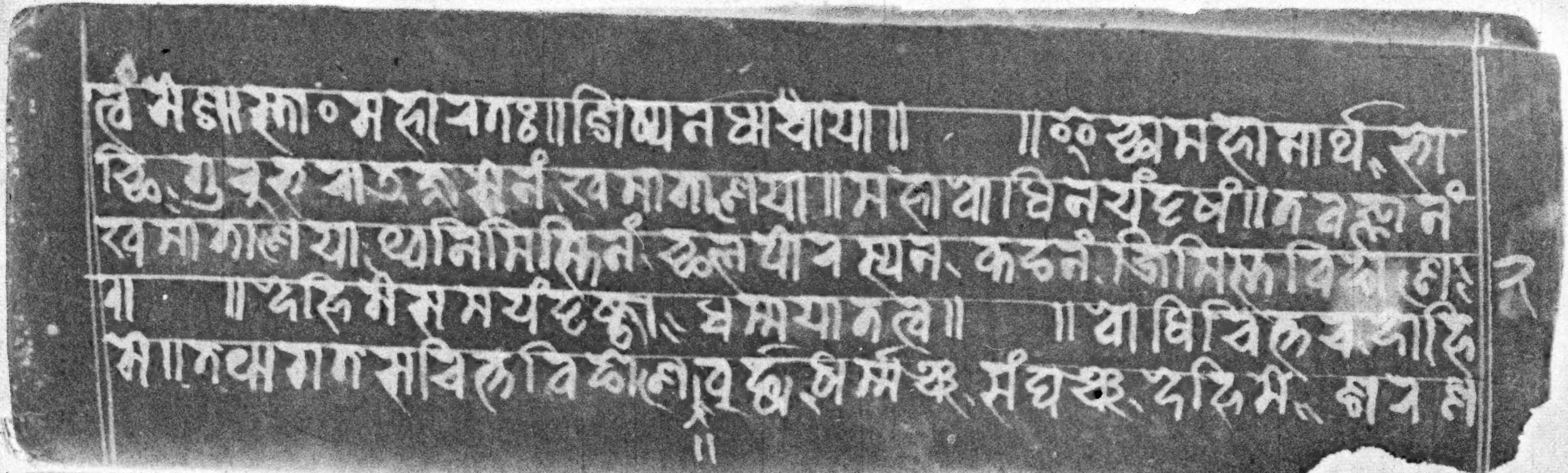

नं॥ ॥सम्यक्॥समस्त्यकाचनंगा ॥ राजनत्वं मदानया॥
मदाधानयाः खधर्मियाः अर्थयाः कयनिसः थलशलं रुदा॥ ॥
पूर्वोक्तिमक्षसंरक्षवानवाम नवः कसम्कः गथाराजयालंसीजायवया ३
लीं॥ ॥कायः सचिवावाकः वचनाविलः नगुतो॥ ॥वर्जि
नाः मानसाचूयचनंसयाकलायिवा॥ ॥क्षनयकुलं कुल्यमंद

स्नानं ॥ वज्रमन्त्र्य रावणे ॥ अस्त्रमन्त्र्या वरावना ॥ ॥ मन्त्र
य्याणा थमन्त्र्या य्यावानी ॥ ॥ मठलं ठल्ल मदुराधि रूपान ॥ ॥
यन रुग्न महावलं मन्त्र्या य्यागान वरुचयुर्वरं ॥ ॥ सालमे
न्य मानिय मागानया स्नानया ॥ ॥ महाघार्घं महास्नानया ॥ ॥
नाथामिलदिशि वरे रक्षवान आदिनं थमन्त्र्या य्यरावनं रथमं

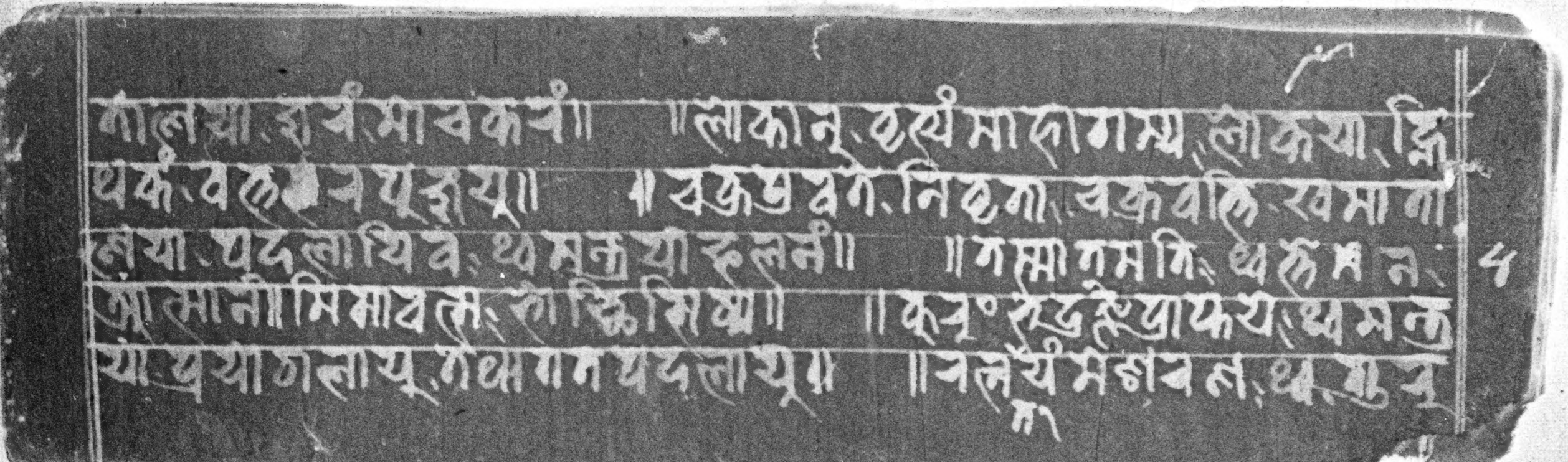

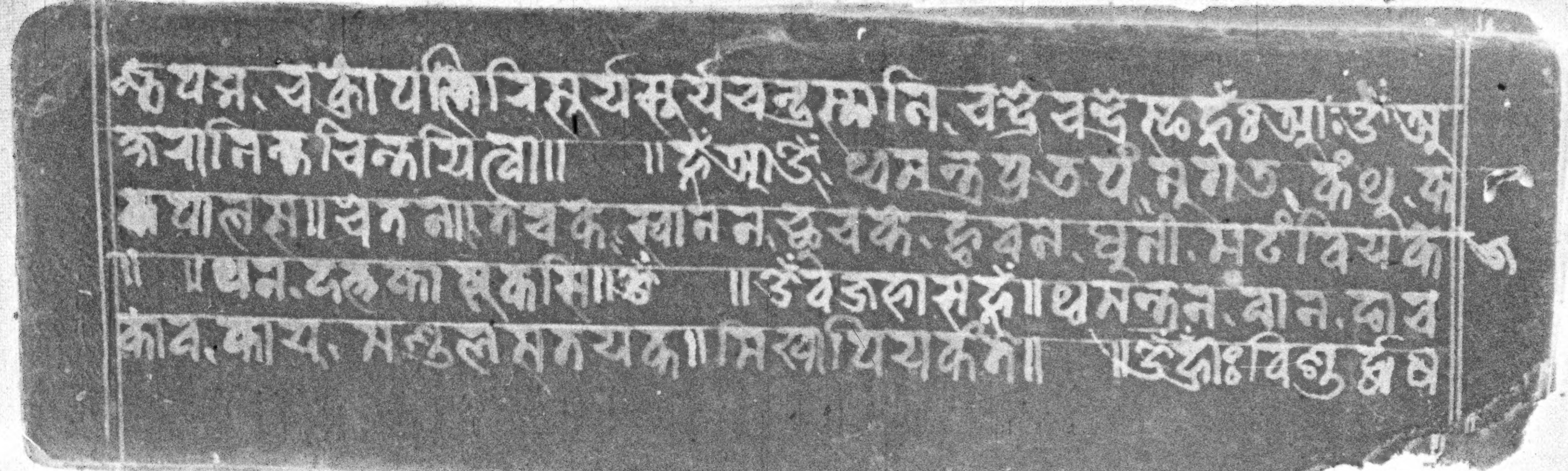

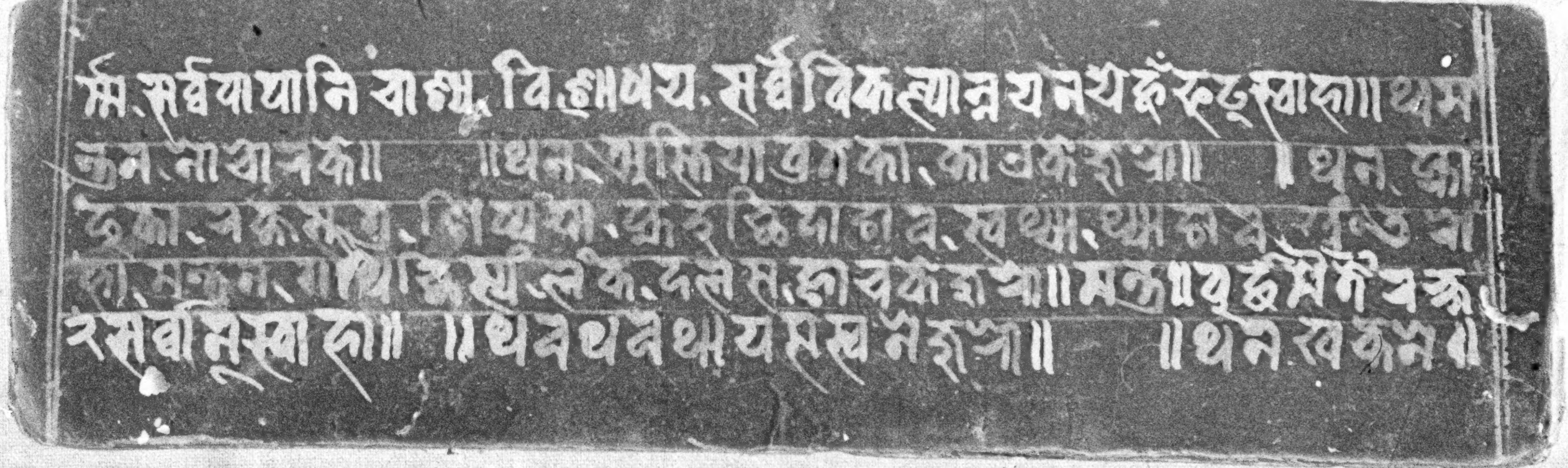

मंडलाग्रदंडस्वामिनामासिंह्रस्वामिनी ॥ ॥ धनदेवीविसमय ॥
धनदाव ॥ आचार्यदेवस ॥ ० ॥ ॐ ह्रीं विसदेव रुगवन् मलामाकयूं
सर्वसिद्धि सुआलस यमसुखासय सर्वसिगविवास नमामि रुगवन्
ॐ ः हूं वं हो युसिद्धिस्व ॥ ॐ वजायैघटय समय यवेशय कुंकुं ॥ ॥
ॐ सुरुनिरुक्रुंहुं ॥ ॐ गनरक्रुंहुं ॥ ॐ गजायय रक्रुंहुं ॥ ॐ

आनय रोरु गेवन विद्याराजं हूं हूं हुठ॥ ॥ॐ यम सुखास
क्ष सुचित्त विजाबे नमामि रुगवर्क जः हूं: वँसो हिलीय हि
क्ष कुसुमाञ्जलि नाथ हो॥ ॥थमकुन देवस ञिन सुक्षय सं
ज्ञल से हो नं गयारुवयाराज्ञ थम कुया ज्ञ हि गन्धाल मिमस्त
मस्तोलाग ॥ सोहि न अ सुक्ष य॥ पंच यसो ये पूजा ल्ञा यन्भ वादन

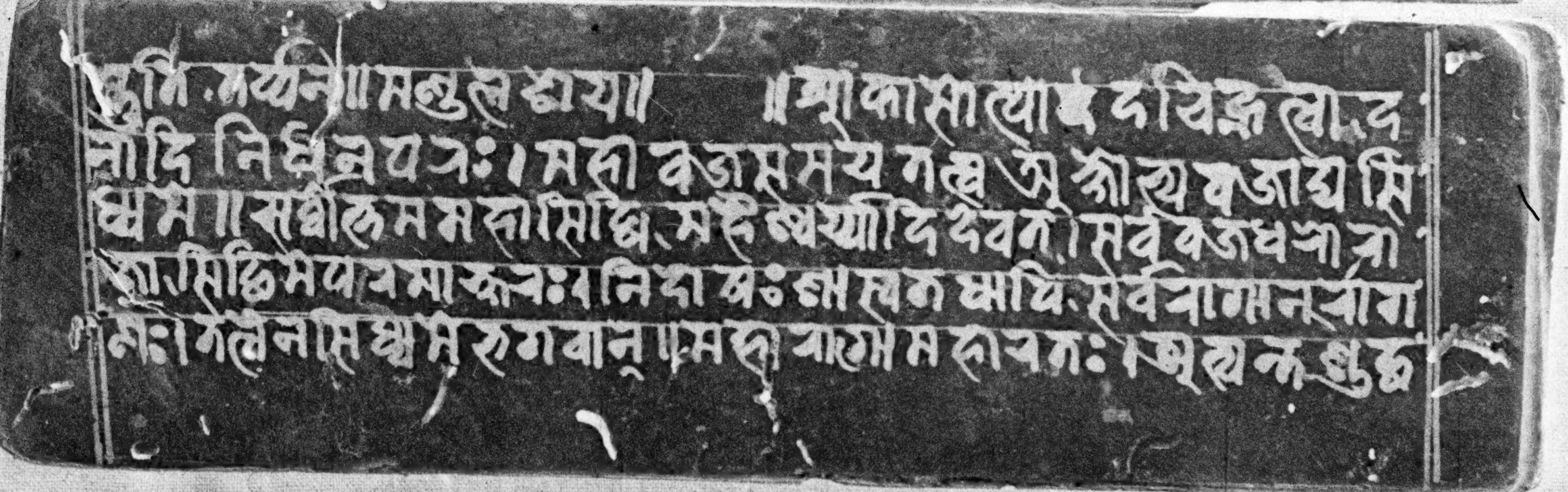

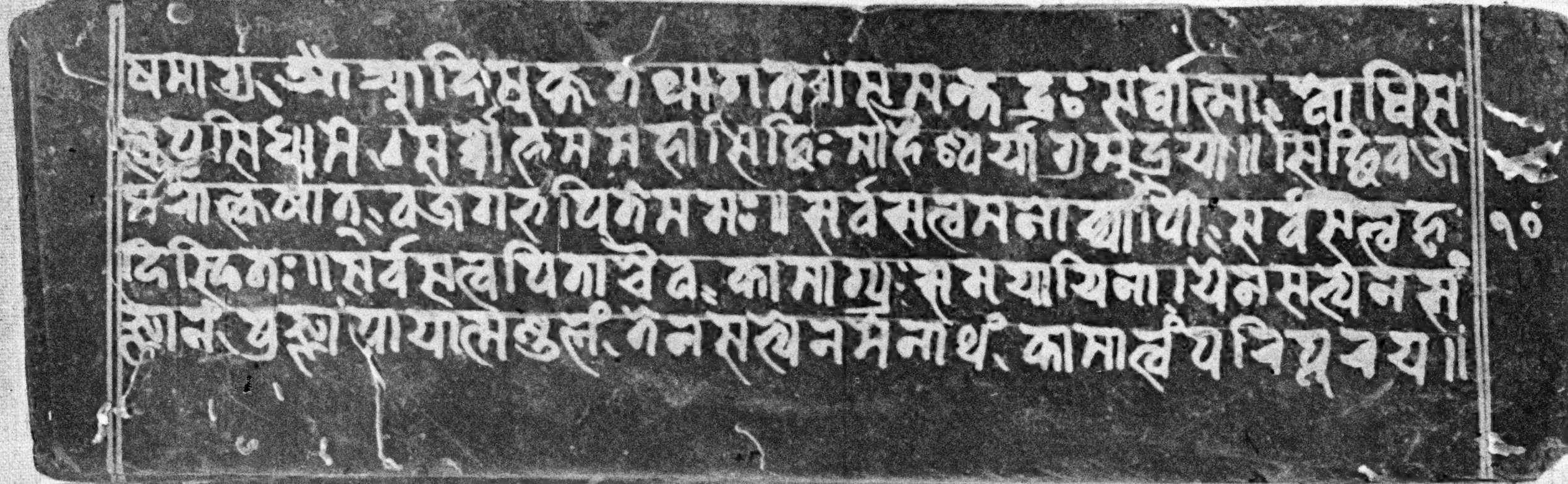

ग्रन्थ यज्ञयाद्वर्थ ० ग्रास्य मन्तुलशायश्चा॥ • ॥ग्रुमिविम्बस्मा धर्म्मि
ग्रक्क सुभ्रक्कना विला ग्रुग्रक्कान स्किलाग्रा ग्रेतुकर्म्मि सम्मुखा॥
॥ग्रथगा गत्वनिर्यागा ग्रुमिगत्वनगायिना ग्रुमिविम्बस्कृगश्चिर्यां ग्रु
ग्रेयसन्निकस्मा॥ ग्रथ ग्रकर्यं ग्रुसकन ग्रेवकने थेमेसायश्चा
॥ ॥थकेग्रा चायश्चवेस॥ ग्रेश्चेश्च ॥थन विंक्यौजा ग्रेयाव ग्रिं

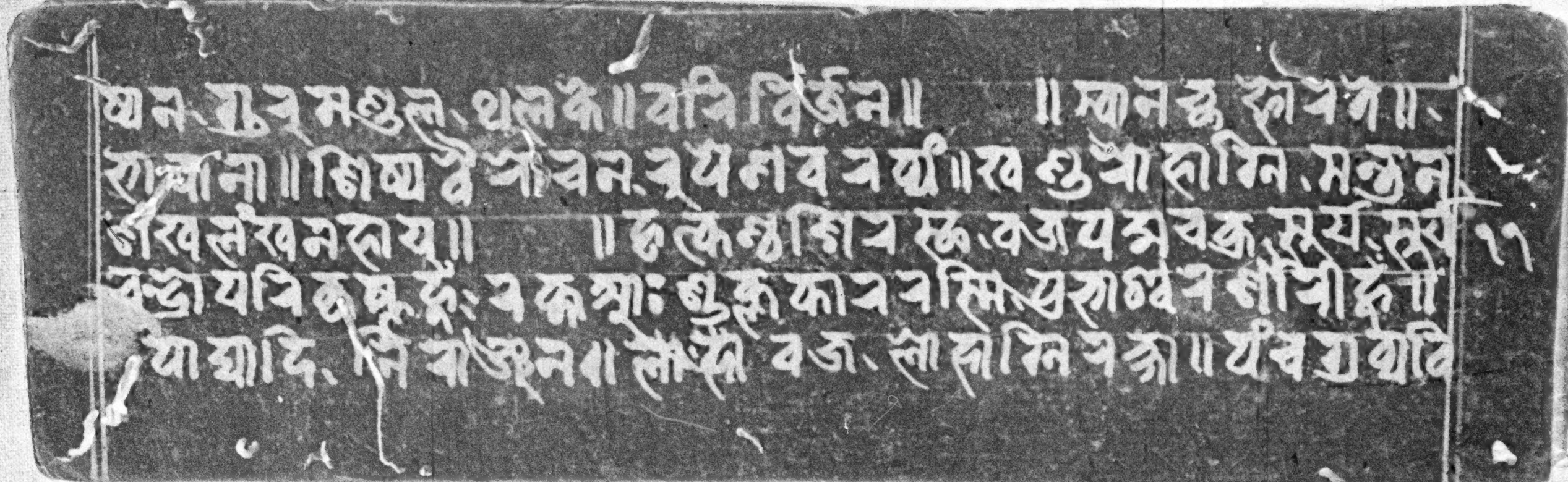

ॐ आरवं वीचदं ॥ ॥ वं [illegible] थ्व क्रं वायक ॥ इं सावुवय
नाचक्रमनिकास थुचीय्० यलक्ष्या ॥ ॥ कल्पिरीः सूचन
प्रियछ्रिं० क्रं यिनिवे मा गाजया मकडो नन्द धर्मसलयाका
वजु व मञ्जुलम दुलाय्व मा गाजया मकडो नन्द धर्मसलयाका ॥ ॥ सकुलमणिमरा
क्रयेगि० थ धर्मसं वे मा गाजया मकडो नन्द धर्मसलयाका ॥ ॥

ॐ सर्वयोग चिह्नं सत्यं दयामि ॥ ॐ क्ष्रि क्ष्रि सक हाय मैस मुल हृ
हाय म मा रा गि रवे मा ग नया ह्रयिव ॥ ॥ अयलं सर्व गथ ग
ग धिष्ठि गार विद्यासि ग्रा व क्ष्रि सक मस स्क ग थो थ ग ग न अधि
ष्ठा नंया यु ॥ ॥ नेवलं सर्व गथ ग ग वन मव स्य मयुलं ग्रविक्ष
य वक्रथ नवछा थु ग ॥ ॥ मग वाक्षय रव स मस्क ग थ ग ग व

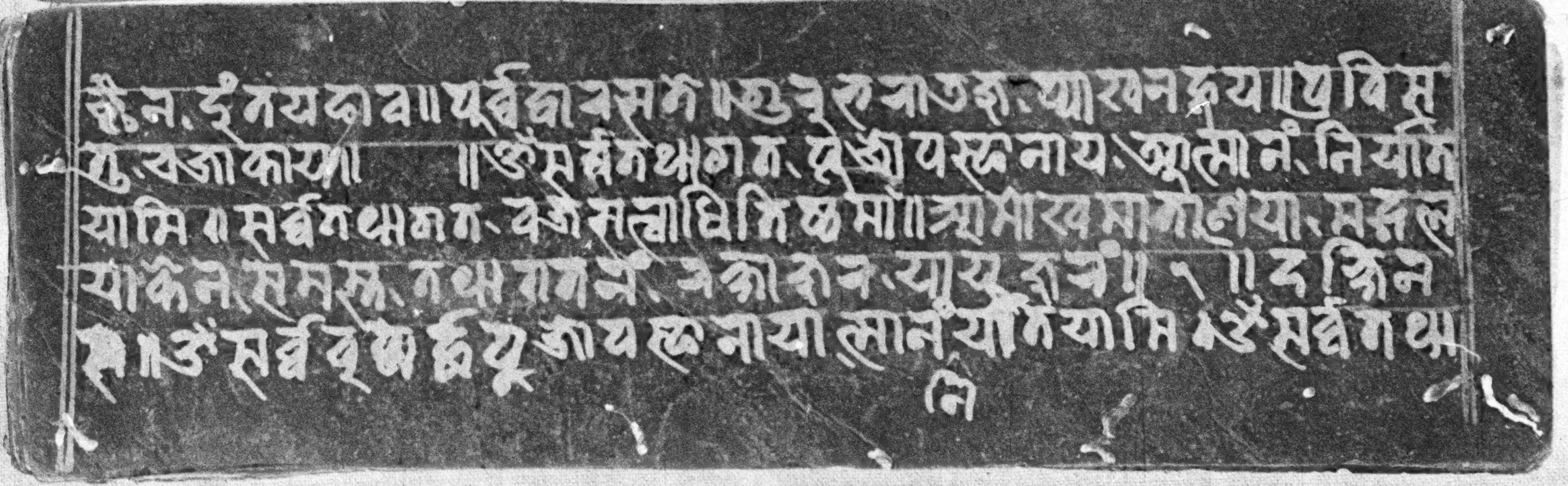

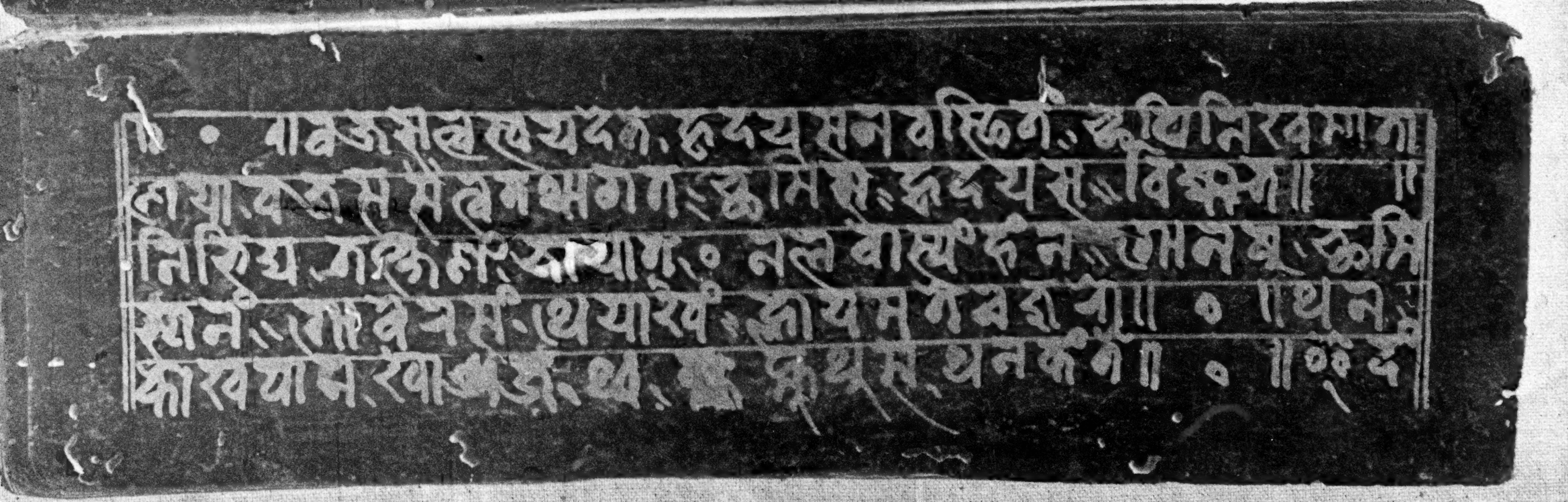

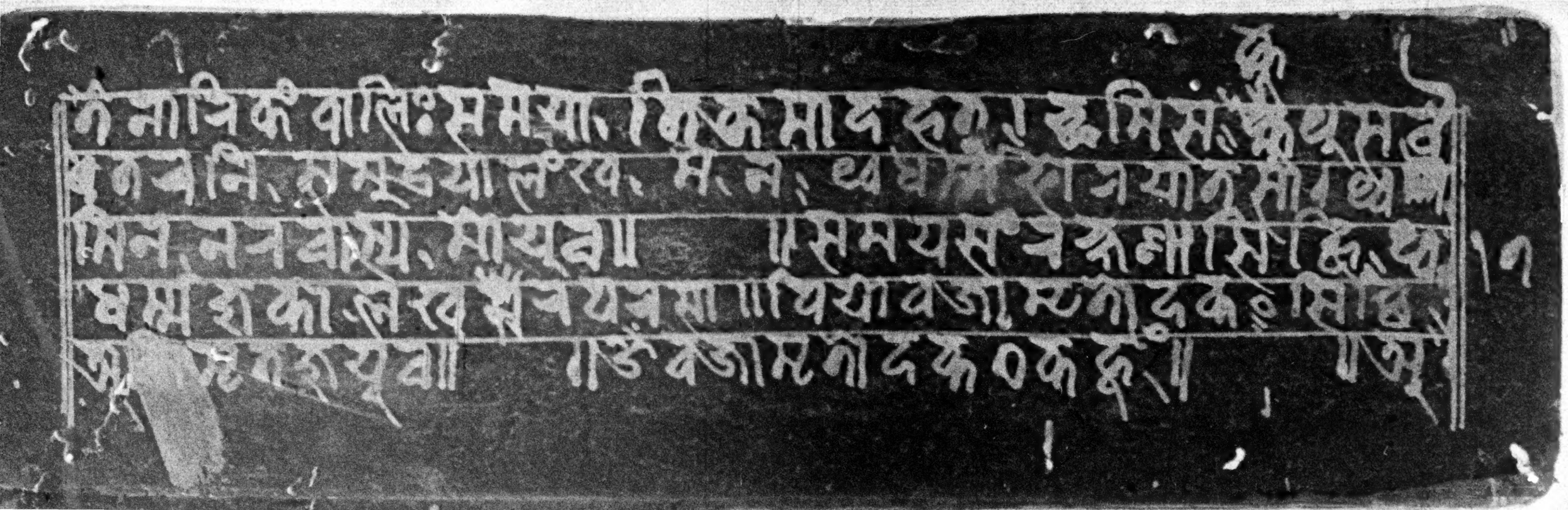

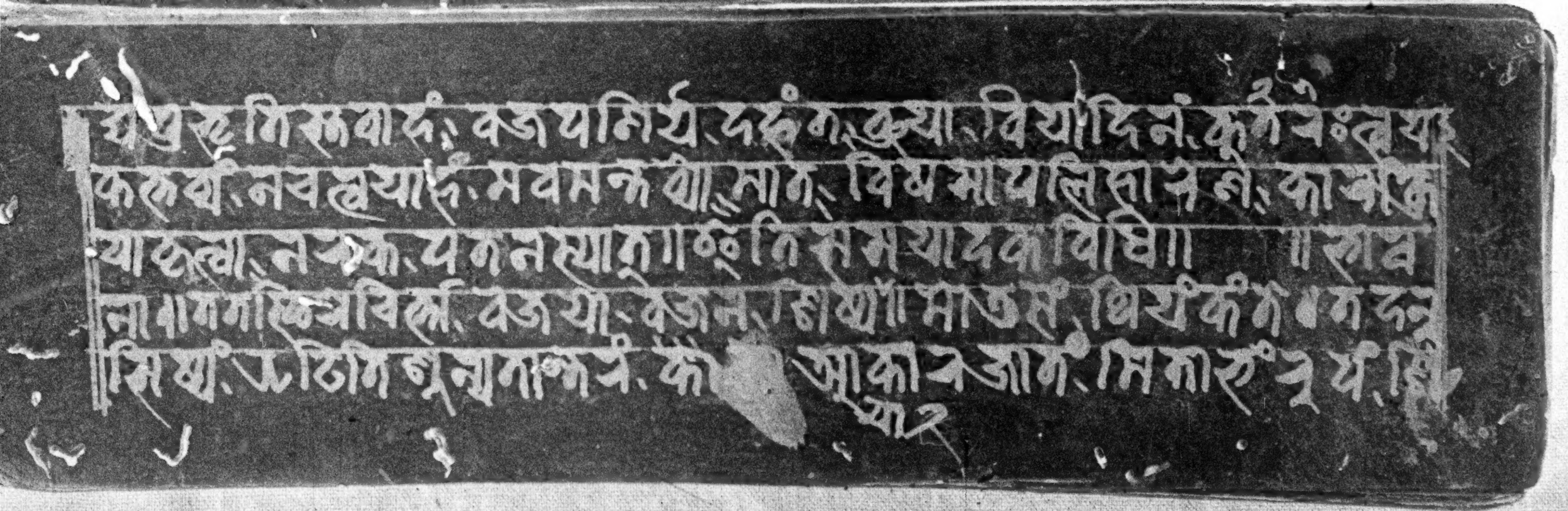

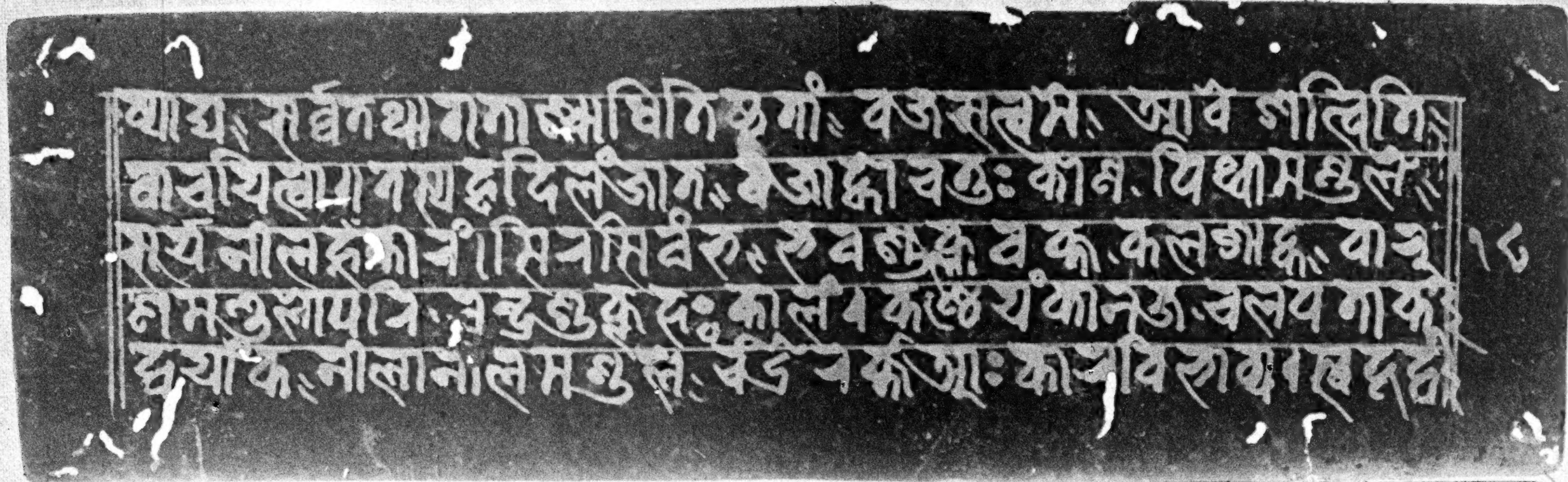

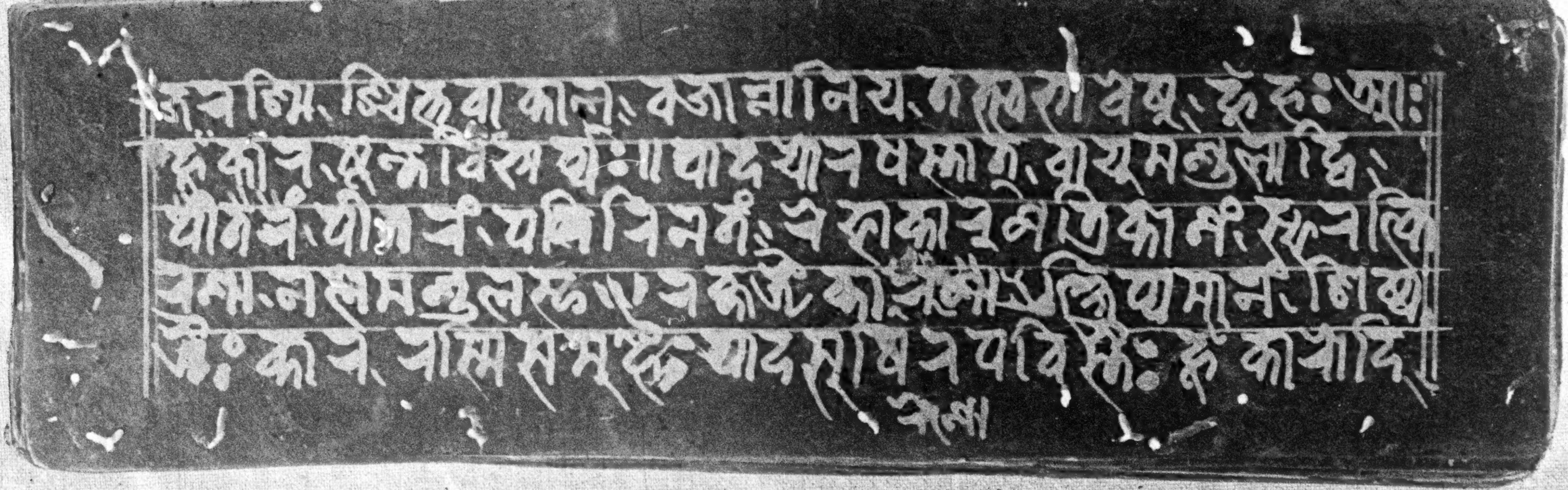

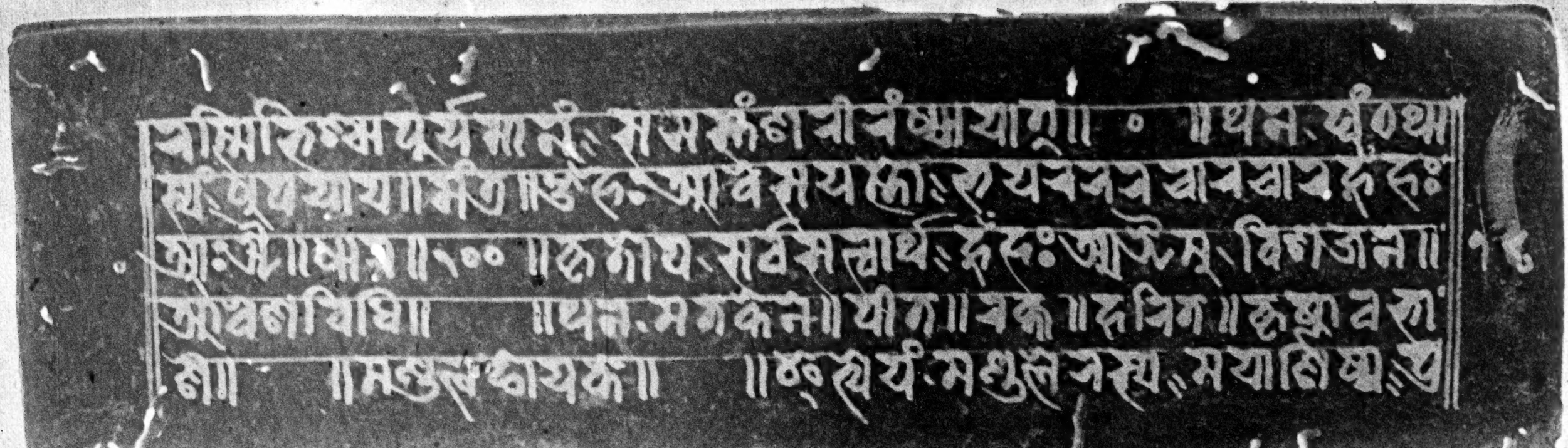

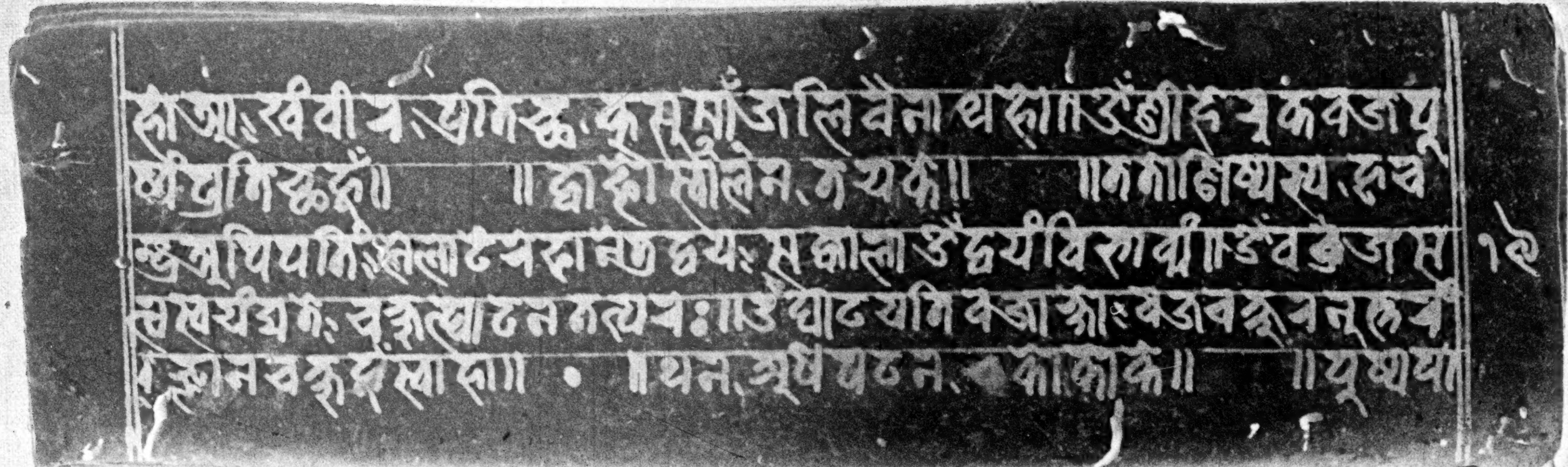

मन्त्र देवसके पूजा याचका दक्षना गास्तुति। अस्त्र मंत्र ना दि
देवता न यांत्र्यकान्ना स्थान देवसकेंयाल ६ ल कन्या ॥ डि न स ग्रहक
लाडक सिद्धि ॥ वाक्य सह काल सर्व स सिद्धि ॥ देवता को
यी मंत्र चतु दिगडा यि यागिन अ ओ स्या दि कल यं व न स्वाहु
न यिका काल ६ डा सिद्धि ॥ कजाव लीन यिका काल सिद्धि
२ यालि ना ग्रह का ६ अव न सिद्धि

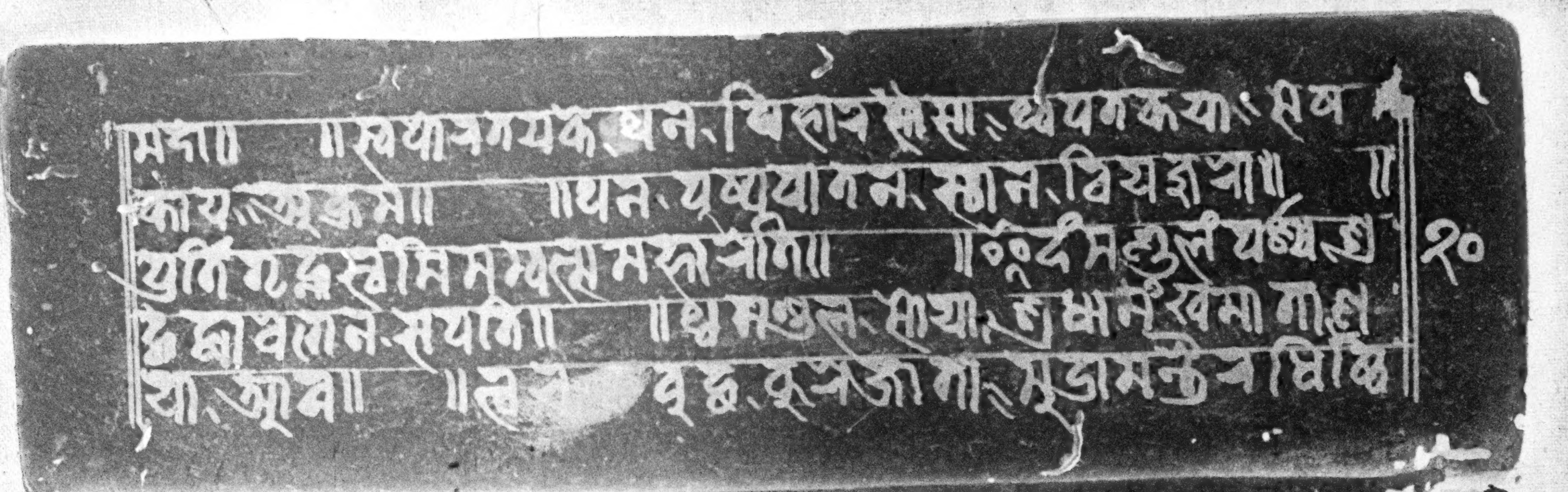

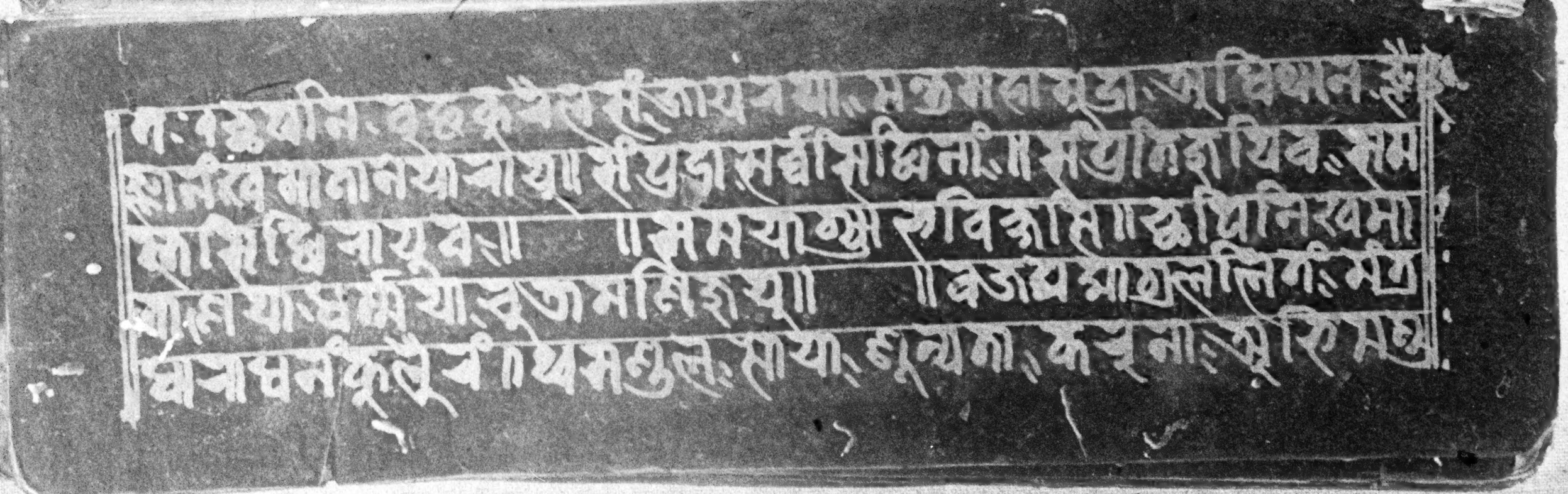

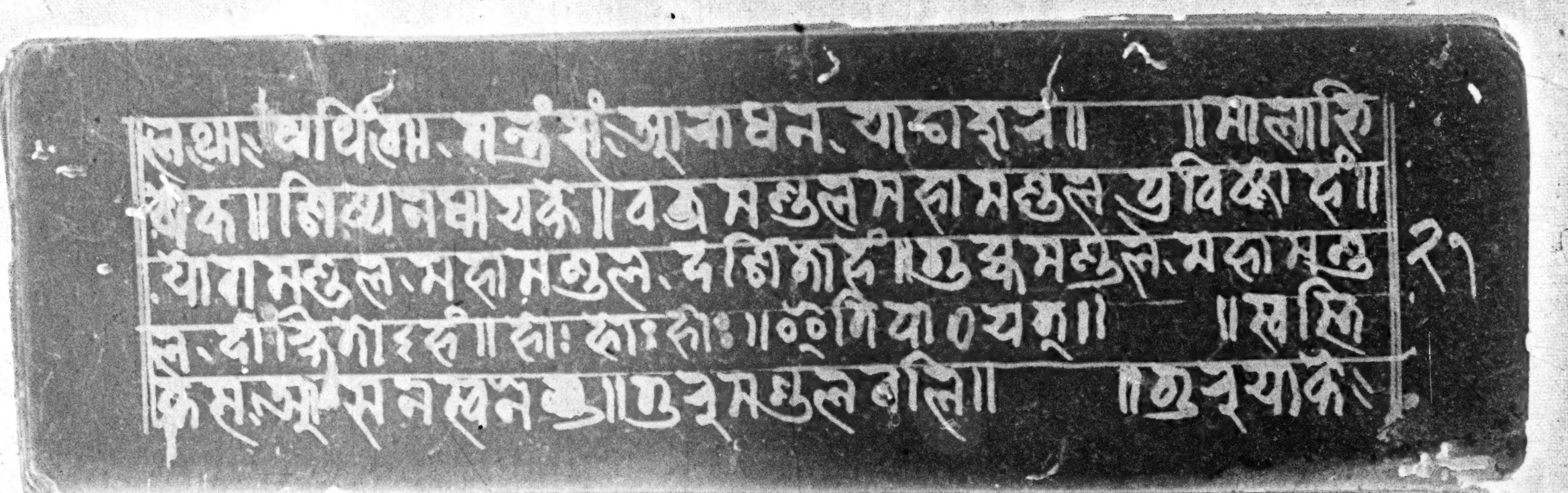

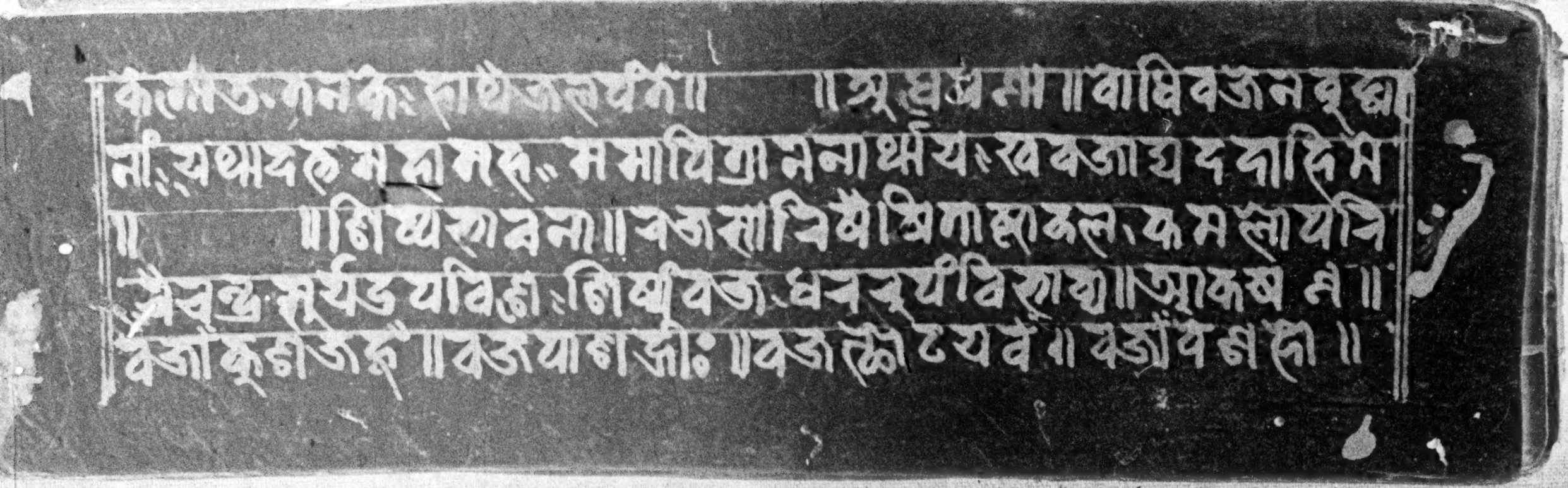

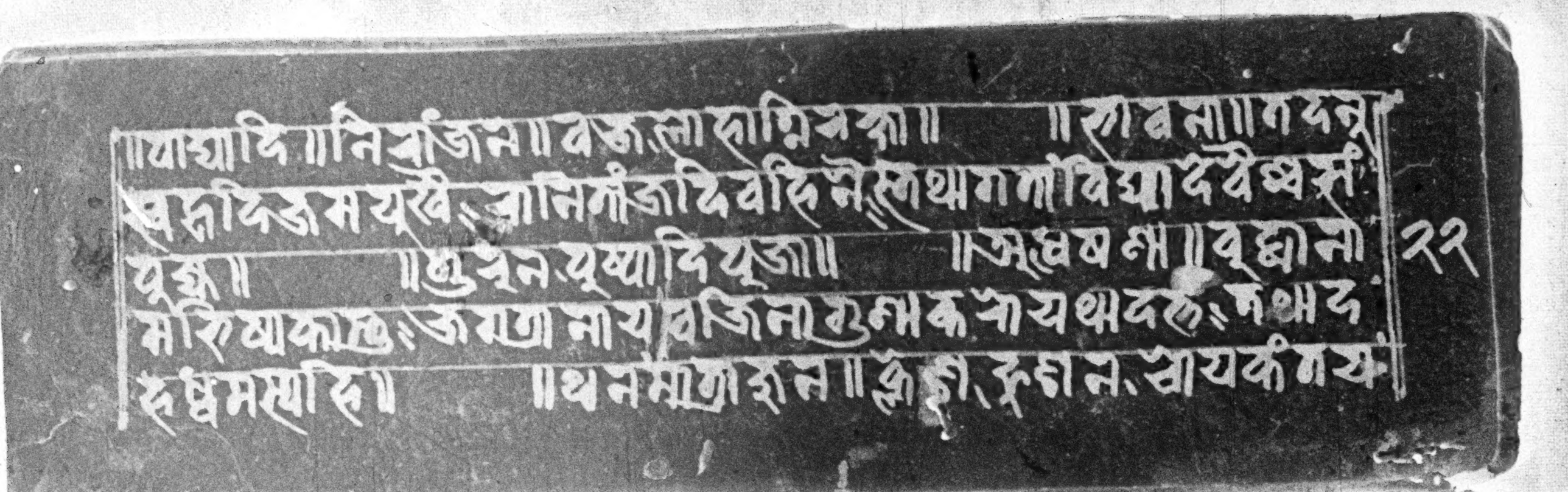

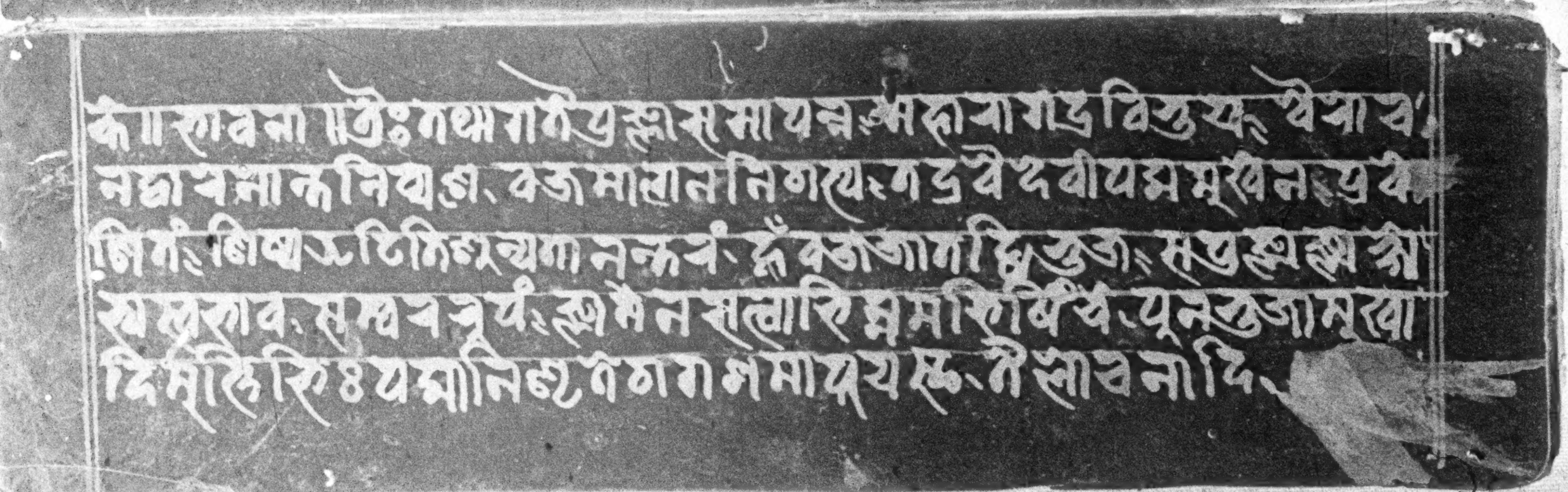

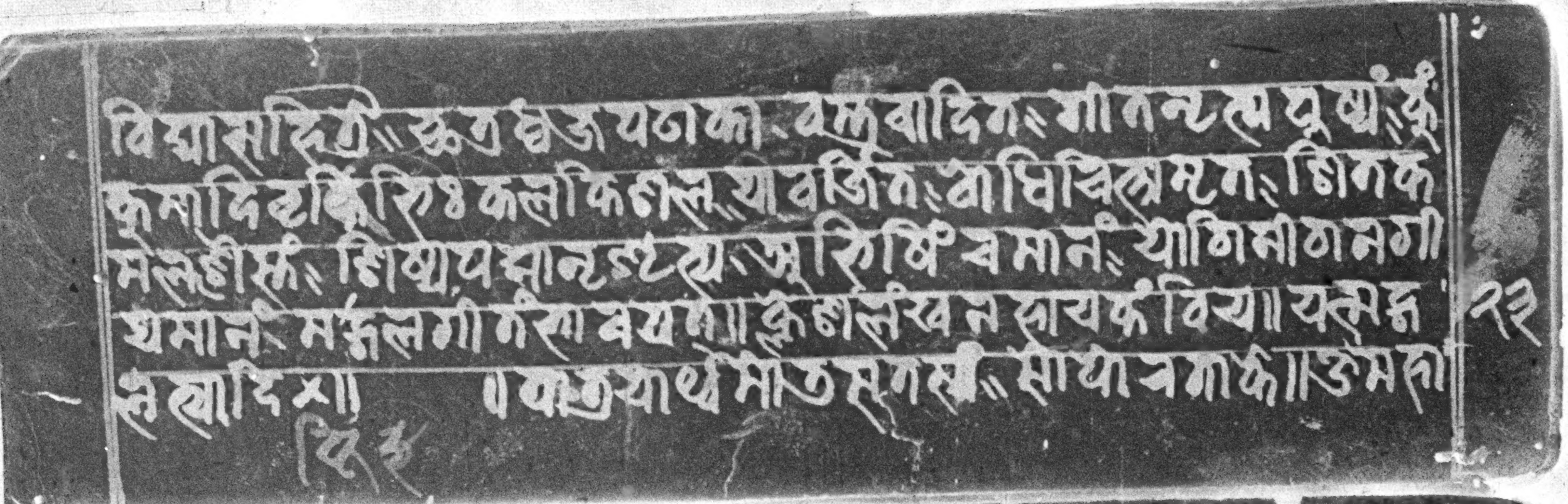

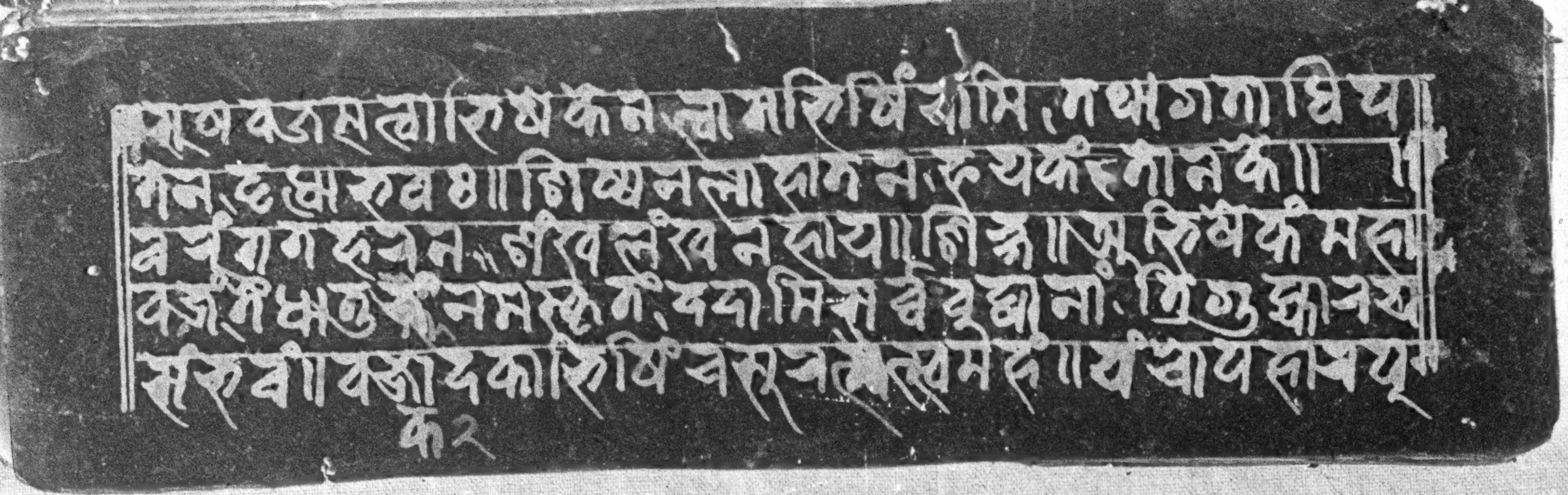

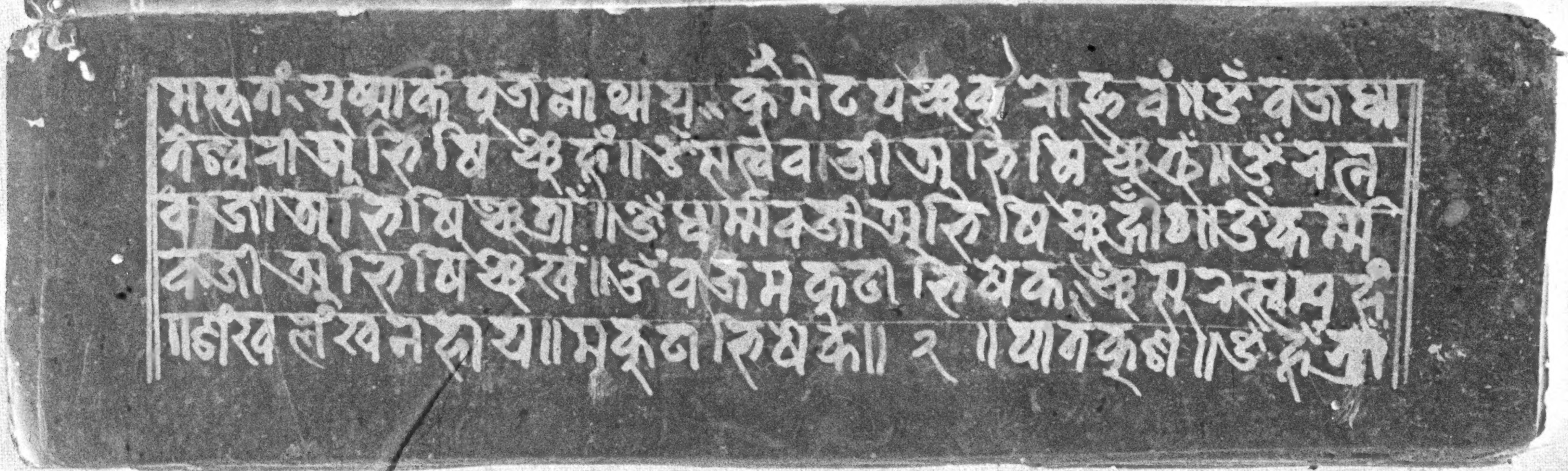

ॐ नमः ॥ मकुटबद्धाय यक्षाधिपतये ॥ अष्टमहा ॥ व्याधिविजया
यादिशक्तिवेना ॥ अष्टाभिर्गणैर्वज्रशिखं जीवम्म यक्षिनं
मिमारयुपं स्थानस्थाविन्न सिद्धं वज्रचामिमारामकं रज
विचित्रिय ॥ वज्रविद्य ॥ अष्टाधिपति कुलाम सिद्धि वज्रोरिपक
गणेन्द्रेण सर्ववुद्धानां ॥ ज्ञानवज्रस्य सिद्धये ॥ ॥ कथं ॥ क

र्थं०॥ ॥ ॥

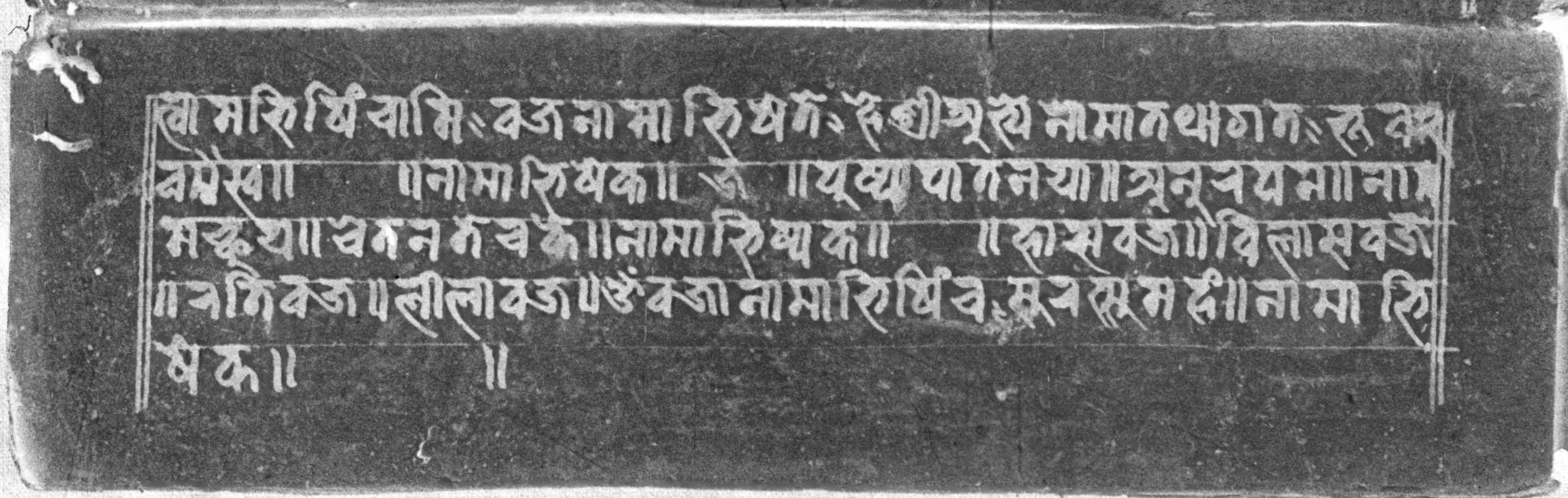

सर्व वृक्षानार्चं अथाधान गामि स्मृगा ल्लयाधि दि स दा घर्या वाधि
चग्राजिनिर्मळा ॥ ॥ र्थ ० थ्रव काढे स्रवा वसे गु ओ दि स्वर
वि रु वेळ ठा स्वरा व स सत्वे जियते न मारु वा ॥ ॥ आलिंग
न मूद्रा यावका ॥ वामूद्रा दि समयथा का मनोमूलि ० ऽत्वया
सर्वसै स्मिंजाय न मे नमूद्रा यकल्पिता ॥ ॥ वज्रगर्व न सं ग्र

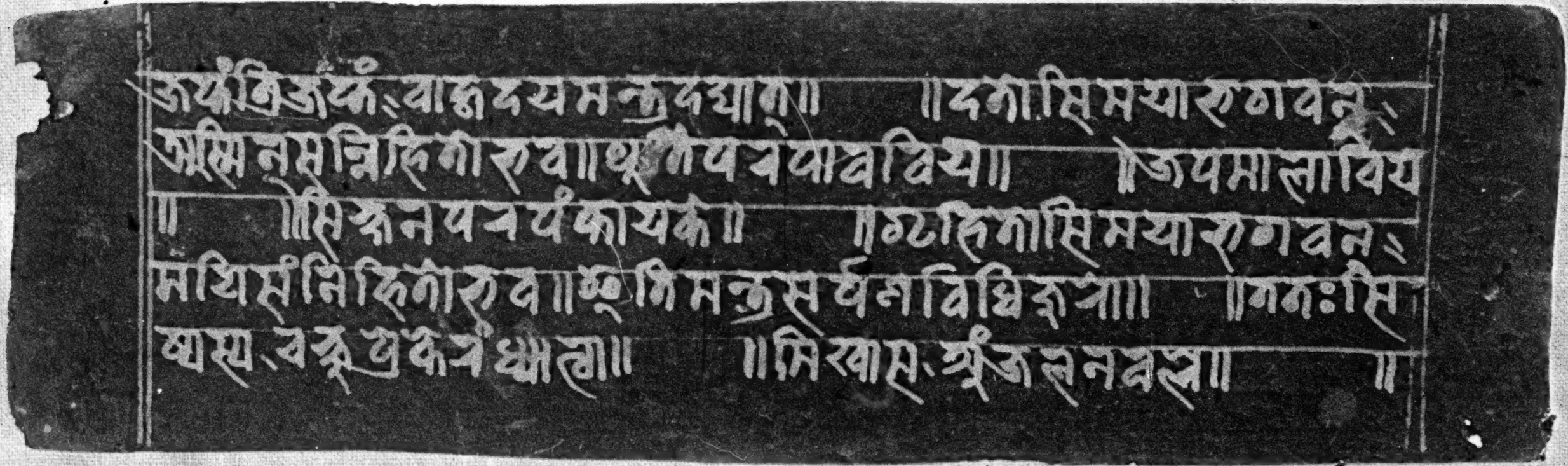

ॐ वज्रनाथाय हुं वज्रजलजौ अस्त्रतंयगल्व वत्र अूयनिर्गजिने
वज्रशलाका वैद्यया जिन त्यथा लाकस्यति मिर्दा ॥ अूजरनारि
व्यका ॥ ॥ गणादर्यनारि वैकरे अूकाचर्जंहिया ॥ ॥ २१
ॐ तिविंस्फुस्फा धर्मा अूछाछु आजु नाथिलाः अूत्र काजु
नूविलाया हिछु कर्मस्फुरु वा ॥ ०२ ॥ निदर्यनारिवेका ॥ ॥